

असाधाररा EXTRAORDINARY

भाग II—चण्ड 8—उप-चण्ड (i)
PART II—Section 3— Sub-section (i)



प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 314]

नई विस्लो, मंगलवार, जुन 16, 1987/ज्येष्ठ 26, 1909

No. 314]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 16, 1987/JYAISTHA 26, 1909

इस भाग में भिन्न पृथ्ठ संस्था की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रक्का का सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विस मंत्रालय

(राजस्य विभाग)

मई दिल्ली, 16 जून, 1987

प्रधिसूचनाएं

सं • 237/37-सीमागुल्क

सा० का० नि० 576(अ)—केन्द्रीय मरकार, सीमाशुल्क प्रक्षिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदरत शक्तियों का प्रयोग करते हुए भीर भारत सरकार के विस्त मंद्रालय (राजस्व विभाग) की भिध्यूचला सं० 163/65-सीमाशुल्क, तारीख 16 प्रक्तूबर, 1965 की प्रधिक्त करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना भावश्यक है, सीमाशुल्क टैरिफ भ्रधिनियम, 1975 (1975 का 51) की नहल जिन्तू की जे उपशीर्ष सं० 8901.10, 8901.20, 8901.30, 8901.90, 8902.00, 8904.00, 8905.10, 8905.90 और 8906.00 के प्रन्तर्गत धाने बाले माल को, जिसका किसी भाष्ट्रागर में प्रथम विजित्न भ्रधिनियम की खारा 65 के कप्रविधें के धनुसार विनिर्माण किया श्राता है,——

- (1) उपत पहली धनसूची में विनिर्दिष्ट उस पर उद्ग्रहणीय समस्त सीमाणुल्क से; भौर
- (2) उनत सीमाज्ञुलक टैरिक ग्रधिनियम की धारा 3 के ग्रधीन उस पर उद्ग्रहणीय समस्त धरितरिक्त ज्ञुलक से,

छूट देती है:

परन्तु यदि कोई ऐसा माल (ध्रमंत्, उलपान घौर ध्रन्य प्यवमान संरक्षनाएं) तत्प्रध्यात् सोई जाने के लिए धाशियत हैं—नो ऐसे माल की बाबस प्रवेश-पत्र सीमाशुस्क कलक्टर को पेण क्रिया आएगा और तत्परि भेमा माल ऐसे शुस्क, से प्रभार्य होगा जो ऐसे माल पर ऐसे संवेथ होगा जानो ऐसा माल ऐसे माल के तोड़े जाने के प्रयंत्तों के तिए नीमाशन्त्र कलक्टर को ऐसे प्रवेश-पत्र के पेण किए जाने का नार्रख को प्रथा विणत हाधिनियम की धारा 46 के ध्रधीन देशो उपभाग के लिए ध्राधान धीर प्रविद्ध किया गया हो।

[फा॰ सं॰ 346/34/87-डी भार यू]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, 15th June, 1987 NOTIFICATIONS

No. 287|87-CUSTOMS

G.S.R. 576 (E) —In exercise of the powers conterred by sub-section (I) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 163[65-Customs, dated the 16th October, 1965, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the goods falling under sub-heading Nos. 8901.10, 8901.20, 8901.30, 8901.90, 8902.00, 8901.00, 8905.10, 8905.90 and 3906.00 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) and manufactured in a warehouse in accordance with the provisions of section 65 of the first-mentioned Act, from —

- (i) the whole of the duty of customs leviable thereon, which is specified in the said First Schedule, and
- (ii) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act:

Provided that if any such goods (that is to say, vessels and other floating structures) are subsequently intended to be broken, a bill of entry in respect of such goods shall be presented to the Collector of Customs, and thereupon such goods shall be chargeable with the duty which would be payable on such goods as if such goods had been imported and entered for home consumption under section 46 of the first-mentioned Act on the date of the presentation of such bill of entry to the Collector of Customs for the purposes of break up of such goods.

[F. No. 346]34[97-TRU]

र्स• 238/37-सं:माग्€क

सा० का० ति० 577(म) → कैन्द्रीय सरकार, विस्त प्रश्नितियम, 1987 (1987 का 11) की धारा 93 की उत्थारा (4) के साथ पिठत सीमानुस्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उत्थारा (1) द्वारा प्रदेश शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, प्रपना यह सम.ध.ण हो ५.1ने पर कि लोक हित में ऐसा करना धापश्यक है, भारत सरकार के विस्त में आस्य (जास्व विमाग) की प्रजिस्तान सं० 207/37 संभात्क, सार्राख 12 मंद्रे, 1937 का निमालिखित भीर संशोधन करती है, प्रयोत :~

उन्त प्रधिसूचा की धनपूची में,-

- (i) कम सं० 29 घोर उत्ते संबंधित प्रविध्व का सत्प किया काएगा; घीर
- (ii) कम सं० 288 मीर उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् तिम्त-सिखित कम सं० मीर प्रविष्टि धन्तस्य पित की जाएर्गः, प्रयत्यान्

"289 सं. 237-सं:भागुल्क, तार्र 🗷 16 जून, 1987 ।" ।

[का संब्र 3 4 में) | 3 7 दी जार पूर्] द्वेश अयाजमन, धवर सचिव

No. 238|87-CUSTOMS

G.S.R. 577 (E) .—In exercise of the powers conferred by sub-section (I) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with subsection (4) of section 93 of the Finance Act, 1987 (11 of 1987), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 207187-Gustoms, dated the 12th May, 1987, namely:—

In the Schedule to the said notification,-

- (i) Sl. No. 29 and the entry relating thereto shall be omitted; and
- (ii) after Sl. No. 288 and the entry relating thereto, the following Sl. No. and entry shall be inserted, namely :—

"289. No. 237-Gustoms, dated the 16th June, 1987.".

[F. No. 546[34]97-TRU] T. JAYARAMAN, Under Secy.